



प्रधानमंत्री ने वाराणसी में "रौद्र" का किया शिलान्यास

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी 2024 को रमना, वाराणसी में एक साझा जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निपटान संयंत्र (रौद्र) की स्थापना के लिए आधारशिला रखी। "रौद्र" एक प्लाज़्मा पायरोलिसिस प्रणाली है जिसे आईपीआर द्वारा विकसित किया जा रहा है और इसमें प्रति दिन अस्पतालों के लगभग 5 टन बायोमैडिकल कचरे का निपटान करने की परिचालन क्षमता है।

प्लाज़्मा पायरोलिसिस आईपीआर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों में से एक है जिसे बायोमैडिकल कचरे के सुरक्षित निपटान के लिए तैयार किया गया है। प्लाज़्मा पायरोलिसिस में, बायोमैडिकल कचरे को ऑक्सीजन की कमी वाले वातावरण में रखकर प्लाज़्मा टॉर्च का उपयोग करके उच्च तापमान उत्पन्न किया जाता है, जिससे कचरा कुशलतापूर्वक और पर्यावरण अनुकूल तरीके से नष्ट किया जाता है। स्वदेशी रूप से विकसित यह प्रणाली पर्यावरण के अनुकूल है और आईपीआर द्वारा विकसित उच्च शक्ति प्लाज़्मा आर्क तकनीक का उपयोग करती है। यह "आत्मनिर्भर भारत" की दिशा में एक बड़ा योगदान होगा। यह प्रणाली, 10,000 बेड वाले अस्पताल द्वारा उत्पन्न बायोमैडिकल कचरे का निपटान कर सकती है।

इस प्रणाली का संचालन आईपीआर, टाटा मेमोरियल सेंटर वाराणसी, मंडल आयुक्त कार्यालय और नगर निगम वाराणसी द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। वाराणसी के विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों से बायोमैडिकल कचरे को एकत्र किया जाएगा और केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करते हुए पर्यावरण के अनुकूल तकनीक से अति उच्च तापमान पर इस प्रणाली में उपचारित किया जाएगा।



परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि) के प्लेटिनम जुबली समारोह के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को तीन साल के अंतराल के बाद आईपीआर मुख् परिसर में एक ऑफलाइन कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया गया था। 10-11 फरवरी, 2024 को आयोजित इस 2-दिवसीय कार्यक्रम में 44 स्कूलों के 350 से अधिक छात्रों और 80 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. पारितोष चौधरी, डीन आर एंड डी और श्री निरंजन वैष्णव, मुख् प्रशासनिक अधिकारी ने किया। सात प्रतियोगी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से 21 को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतिस्पर्धी आयोजनों के अलावा, इस कार्यक्रम में संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं के साथ-साथ आईपीआर जनजागरूकता के उच्च रिजॉल्यूशन सौर दूरबीन का उपयोग करके एक सौर अवलोकन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में लगभग 45 छात्रों और 5 शिक्षकों ने भाग लिया। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, गांधीनगर को प्रतिस्पर्धी स्पर्धाओं में अधिकतम अंक प्राप्त करने के लिए प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान की राष्ट्रीय विज्ञान दिवस रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इन दो दिनों के दौरान 3000 से अधिक लोगों ने संस्थान का दौरा किया।





वामिता प्रतियोगिता



लघु नाटिका प्रतियोगिता



प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता



निबंध प्रतियोगिता



पोस्टर प्रतियोगिता



सौर अवलोकन कार्यक्रम



स्कूली छात्रों द्वारा विज्ञान मॉडल



पुरस्कार वितरण समारोह के कुछ पुरस्कार विजेता



समापन सत्र के दौरान दर्शकों का दृश्य



वर्ष 2024 के लिए आईपीआर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस रोलिंग ट्रॉफी सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, गांधीनगर को देते हुए



प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की टीम के साथ एमजी साइंस कॉलेज, अहमदाबाद के स्वयंसेवक

ईटर संगठन के महानिदेशक (डीजी) डॉ. पित्रो बाराबस्ची 5-6 फरवरी 2024 के दौरान डीजी के कार्यालय प्रमुख श्री श्रीराम कट्टलाई रामचंद्रन के साथ भारत में थे। अक्टूबर 2022 में महानिदेशक का पद संभालने के बाद भारत में उनकी यह पहली यात्रा थी। 5 फरवरी 2024 को पऊवि मुख्यालय, मुंबई में डॉ. अजीत कुमार मोहंती (सचिव, पऊवि और अध्यक्ष, पऊआ) के साथ एक बैठक में उन्होंने भारतीय देशीय संलयन कार्यक्रम के लिए ईटर संगठन के समर्थन को अभिव्यक्त किया। दोपहर में उन्होंने मेसर्स लार्सन एंड टुब्रो मुंबई के कार्यों का भी दौरा किया। 6 फरवरी को महानिदेशक ने ईटर भारत, आईपीआर का दौरा किया। सुबह के सत्र में उन्होंने "फ्यूजन और ईटर प्रोजेक्ट" विषय पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें आईपीआर के स्टाफ सदस्य और शोध छात्र शामिल हुए। इनके व्याख्यान से पहले प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा स्वागत भाषण दिया गया और आईपीआर, एफसीआईपीटी और ईटर की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दिया।



मुंबई में पऊवि कार्यालय में डॉ. अजीत कुमार मोहंती, अध्यक्ष, पऊआ और सचिव पऊवि के साथ ईटर के महानिदेशक



ईटर के महानिदेशक अपना व्याख्यान देते हुए

महानिदेशक ने इस अवसर पर ईटर भारत की प्रयोगशालाओं (अर्थात् ईटर-भारत जाइरोट्रॉन परीक्षण सुविधा(आईआईजीटीएफ), आईसीआरएच प्रयोगशाला, भारतीय परीक्षण सुविधा आईएनटीएफ- डायग्नोस्टिक न्यूट्रल बीम, पावर सप्लाय लैब, ईटर-भारत क्रायोजेनिक्स प्रयोगशाला, डायग्नोस्टिक प्रयोगशाला), हाई हीट फ्लक्स परीक्षण सुविधा, प्रायोगिक कूलिंग सिस्टम लैब, रॉबिन लैब, आरएच और वर्चुअल रियलिटी लैब, आदित्य और एसएसटी-1(स्थिर अवस्था अतिचालक टोकामैक-1) का भी दौरा किया और विभिन्न विकास कार्यों में गहरी रुचि ली। शाम को महानिदेशक और ईटर-भारत के सहकर्मियों के साथ परस्पर बातचीत हुई।



ईटर के महानिदेशक संस्थान के कर्मचारियों के साथ बातचीत करते हुए

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (आईपीआर), गांधीनगर (गुजरात) ने हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएचपी), शाहपुर परिसर (कांगड़ा जिला), हिमाचल प्रदेश के सहयोग से 09-13 अक्टूबर, 2023 के दौरान पदार्थ की चौथी अवस्था प्लाज़्मा पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारत के विभिन्न राज्यों में संस्थान की की ग्रामीण वैज्ञानिक जनजागरूकता गतिविधि का हिस्सा है। यह हिमाचल प्रदेश राज्य में आयोजित होने वाली संस्थान की पहली जनजागरूकता गतिविधि है। इस कार्यक्रम में प्लाज़्मा, इसके अनुप्रयोगों पर एक प्रदर्शनी के साथ-साथ आने वाले छात्रों के लिए प्लाज़्मा पर परिचयात्मक वार्ता शामिल थी। कार्यक्रम का उद्घाटन सीयूएचपी के डीन-एकेडमिक्स प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने किया। इस प्रदर्शनी के लिए, सीयूएचपी के बीएससी और एमएससी भौतिकी के 50 से अधिक छात्रों को आईपीआर टीम द्वारा आगंतुक छात्रों को उनकी स्थानीय भाषा में प्रदर्शन समझाने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में टोकोटॉय मॉडल को असेंबल करने में स्वयंसेवकों के लिए एक मजेदार प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी।



सीयूएचपी, हिमाचल प्रदेश में प्लाज़्मा और इसके अनुप्रयोगों की प्रदर्शनी का दृश्य



प्रोफेसर प्रदीप कुमार, डीन-एकेडमिक्स, सीयूएचपी द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन



सीयूएचपी, शाहपुर, हिमाचल प्रदेश में आयोजित प्लाज़्मा प्रदर्शनी की तस्वीरें



प्रदर्शनी के लिए सीयूएचपी के स्वयंसेवक छात्रों को प्रशिक्षण



सीयूएचपी के स्वयंसेवक, आगंतुकों को प्लाज़्मा प्रदर्शन के बारे में समझाते हुए



स्वयंसेवक छात्र आगंतुकों को प्लाज़्मा प्रदर्शन के बारे में समझाते हुए

दिनांक	संस्थान	आगतुक
1-फरवरी-2024	बहाउद्दीन साइंस कॉलेज, जूनागढ़	बीएससी भौतिकी के 25 छात्र और 2 संकाय सदस्य
7-फरवरी-2024	मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट	एमएससी/पीएचडी भौतिकी के 25 छात्र और 1 संकाय सदस्य
15-फरवरी-2024	क्राइस्ट कॉलेज, राजकोट	बीएससी/एमएससी भौतिकी के 26 छात्र और 3 संकाय सदस्य
19-फरवरी-2024	के.डी. पॉलिटेक्निक, पाटन	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के 25 छात्र और 2 संकाय सदस्य



संस्थान में शैक्षणिक दौरे के दौरान क्राइस्ट कॉलेज, राजकोट, सूरत के छात्र और शिक्षक



संस्थान में शैक्षणिक दौरे के दौरान मारवाड़ी विश्वविद्यालय, राजकोट के छात्र और शिक्षक



संस्थान में शैक्षणिक दौरे के दौरान पाटन के केडी पॉलिटेक्निक के छात्र और शिक्षक

प्लाज़्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर) की जनजागरूकता गतिविधियाँ

प्लाज़्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर) के जनजागरूकता प्रभाग ने 16 फरवरी, 2024 को आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी में "प्लाज़्मा भौतिकी पर एक दिवसीय संगोष्ठी सह कार्यशाला" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के भौतिकी विभाग के 6 शिक्षकों और 45 छात्रों ने भाग लिया। तकनीकी सत्र के दौरान, डॉ. राकेश मौलिक ने प्लाज़्मा भौतिकी के परिचय पर एक व्याख्यान दिया, इसके बाद डॉ. नगांगोम ओमोआ द्वारा प्रयोगात्मक प्लाज़्मा भौतिकी के मूलभूत विषय पर एक व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान के बाद, प्रतिभागियों को एक ग्लो डिस्चार्ज प्लाज़्मा, एआरसी प्लाज़्मा (जैकब्स लैंडर) और एक प्लाज़्मा ग्लोब दिखाया गया, और ढांचे के विभिन्न घटकों के कार्य सिद्धांत और भूमिका के बारे में समझाया गया।



गुवाहाटी के आर्य विद्यापीठ कॉलेज में प्लाज़्मा पर आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम की छवियाँ

संस्थान के जनजागरूकता प्रभाग ने 22-24 फरवरी, 2024 के दौरान श्री बलवंत पारेख की 100वीं जयंती के हिस्से के रूप में आयोजित विज्ञान सप्ताह-2024 में भाग लिया। भावनगर स्थित श्री बलवंत पारेख साइंस सिटी में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान ने प्लाज़्मा और इसके अनुप्रयोगों के कई इंटरैक्टिव मॉडल प्रदर्शित किए। 2500 से अधिक छात्रों और आम जनता ने इस प्रदर्शनी का दौरा किया।



श्री बलवंत पारेख साइंस सिटी, भावनगर में आयोजित प्लाज़्मा प्रदर्शनी की छवियाँ

सम्मेलन में प्रतिभागिता



श्री आदित्य नौगरेया ने 18-20 जनवरी 2024 के दौरान एनआईटी रायपुर में पावर कंट्रोल और कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज (ICPC²¹ - 2024) पर आयोजित तीसरे आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "न्यूट्रल बीम इंजेक्टरों के लिए 30 kV / 5A DC पावर सप्लाइ का सिमुलेशन विश्लेषण" पर व्याख्यान दिया। इसमें उन्हें श्रेष्ठ पेपर का अवार्ड भी मिला।



सुश्री प्रतिभा गुप्ता ने 16-18 फरवरी 2024 के दौरान एल.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद द्वारा एल.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में प्रभावी संचार पर आयोजित एक कार्यशाला "साहित्य सरिता 2024" में भाग लिया।

सीपीपी-आईपीआर का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधित निरीक्षण

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर की राजभाषा निरीक्षण समिति द्वारा प्लाज़्मा भौतिकी केंद्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर), गुवाहाटी का राजभाषा कार्यान्वयन निरीक्षण 07 फरवरी 2024 को किया गया। आईपीआर की राजभाषा निरीक्षण समिति में शामिल सदस्य - श्री राज सिंह, सह अध्यक्ष, राभाकास, श्री निरंजन वैष्णव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं डॉ. संध्या दवे, हिंदी अधिकारी द्वारा सीपीपी-आईपीआर के राजभाषा कार्यान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई एवं महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान किये गये। निरीक्षण के पश्चात् सीपीपी-आईपीआर के कार्मिकों के लिए एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें निरीक्षण समिति के सदस्य श्री राज सिंह ने "हिंदी में काम करना कठिन नहीं" विषय पर चर्चा की। उन्होंने हिंदी के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान में विश्व में हिंदी का स्थान एवं भारतीय भाषाओं के साथ हिंदी के तालमेल पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही हिंदी और असमिया भाषा की कई सारी समानताओं को उन्होंने चित्र के माध्यम से सभी श्रोताओं को अवगत कराया और कहा कि असमिया के माध्यम से भी हिंदी को सीखा जा सकता है। इसके बाद "राजभाषा कार्यान्वयन हेतु कंप्यूटर पर हिंदी प्रयोग के उपयोगी टूल्स" विषय पर डॉ. संध्या दवे ने उपस्थित कार्मिकों को जानकारी प्रदान की। उन्होंने राजभाषा नीति एवं राजभाषा नियमों पर संक्षिप्त में चर्चा करते हुए वर्तमान तकनीकी के माध्यम से हिंदी में सुचारू रूप से कार्य करने हेतु कंप्यूटर पर उपलब्ध टूल्स पर ध्यान केन्द्रित किया। साथ ही फोनेटिक कीबोर्ड को इंस्टॉल कर आसानी से इसके उपयोग करने के बारे में सभी को अवगत कराया। उन्होंने उदाहरण के साथ गूगल ट्रांसलेट, गूगल वॉइस टाइपिंग, अनुवाद टूल-कंठस्थ ,2.0 हिंदी शब्द सिंधु आदि टूल्स के साथ-साथ ई-सरल शब्द कोश, मोबाइल पर हिंदी के विभिन्न प्रयोग की जानकारी प्रदान की। इस कार्यशाला में कुल 48 कार्मिकों ने भाग लिया। हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु यह कार्यशाला बहुत महत्वपूर्ण रही। अंत में जलपान और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हिंदी कार्यशाला का समापन हुआ।



प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान में परमाणु ऊर्जा विभाग प्लैटिनम जुबली समारोह के हिस्से के रूप में निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किये गये।

प्रोफेसर स्वदेश मिश्र महाजन, टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन और एक्सोफ्यूजन द्वारा "पृथ्वी पर संलयन: एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक लक्ष्य के साथ एक सर्वोत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज"

दिनांक: 25 जनवरी 2024

सारांश: पृथ्वी पर फ्यूजन की खोज हाल तक बड़े पैमाने पर सरकार द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालयों और प्रयोगशालाओं द्वारा की जाती रही है; अब, निजी उद्योगों द्वारा भी प्रयास किए जा रहे हैं क्योंकि वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य संलयन (सीवीएफ) का लक्ष्य, ऊर्जा की कमी से जूझ रही और तेज़ी से बढ़ती विश्व आबादी के लिए और भी महत्वपूर्ण हो गया है। जैसे ही निजी हित इसमें शामिल होते हैं, यह सोचने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है कि "समस्या" एक तकनीकी समस्या है जिसके लिए केवल इंजीनियरिंग समाधान की आवश्यकता है। जबकि इंजीनियरिंग अत्यधिक चुनौतीपूर्ण है, फिर भी सीवीएफ एक मौलिक वैज्ञानिक खोज बनी रहेगी। जबकि लक्ष्य सामाजिक और व्यावसायिक हो सकते हैं, पर वहां तक पहुंचने का मार्ग भौतिकी के नेतृत्व में होना चाहिए। हम वर्तमान विशाल संलयन परिदृश्य को समझेंगे और देखेंगे कि संलयन ऊर्जा को किफायती बनाने के लिए नई भौतिकी किस प्रकार महत्वपूर्ण होगी।



प्रोफेसर स्वदेश महाजन

प्रोफेसर एम. कृष्णमूर्ति, केंद्र निदेशक, टीआईएफआर, हैदराबाद द्वारा "अल्ट्रा फास्ट लेजर का उपयोग करके तरल बूंदों को मिनी-एक्सेलेरेटर में परिवर्तित करना"

दिनांक: 14 फरवरी 2024

सारांश: जब तीव्र अल्ट्राशॉर्ट पल्स लेज़र की तीव्रता 800 नैनो मीटर पल्स वाले 10^{18} Wcm^{-2} के सापेक्षता के समकक्ष पैमाने पर पहुंचती है तब सापेक्षता वाले इलेक्ट्रॉन उत्पन्न होते हैं। इसके लिए टेरा वाट श्रेणी के लेज़र की आवश्यकता होती है जो जटिल, असुविधाजनक, महंगे होते हैं, और आमतौर पर प्रति सेकंड 10 पल्स प्रदान करते हैं। यद्यपि ऐसी प्रणाली से उत्पन्न इलेक्ट्रॉन/एक्स-रे/प्रोटॉन किरण ने कई नए आयामों के द्वार खोल दिए हैं, फिर भी ऐसी प्रणालियों पर अनुप्रयोग विकसित करना बहुत चुनौतीपूर्ण है। इस व्याख्यान में उन प्रयोगों के बारे में बताया जहां लेज़र तीव्रता के 1/100वें भाग पर भी, मल्टी kHz और कुछ मेगा जूल/पल्स लेज़रों प्रयोग करके 1 MeV ऊर्जा वाली सापेक्ष इलेक्ट्रॉन किरण उत्पन्न करना संभव है। यह भी बताया कि उपयुक्त लक्ष्य के साथ और सुनियोजित तरीके से उत्पन्न की गयी प्लाज़्मा तरंग अस्थिरता इस समायोजन का एक अंतर्निहित तंत्र है। लघु पल्स इलेक्ट्रॉन बीम के स्रोत का आकार, एक्स-रे रेडियोग्राफी और छायाचित्रण के लिए भी उपयुक्त है।



प्रोफेसर एम. कृष्णमूर्ति

प्लाज़्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर) समाचार



दिनांक 30 जनवरी, 2024 को शहीद दिवस के दिन सीपीपी-आईपीआर में शहीदों के बलिदान के सम्मान में और उन्हें याद करते हुए मौन रखा गया। सीपीपी-आईपीआर कर्मचारियों ने एकता को बढ़ावा देते हुए और दिन के ऐतिहासिक महत्व को याद करते हुए, उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया।



प्लाज़्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (सीपीपी-आईपीआर) में 16 से 29 फरवरी 2024 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इस पहल के हिस्से के रूप में, 16 फरवरी, 2024 को सीपीपी-आईपीआर के स्टाफ सदस्यों द्वारा स्वच्छता रखने की शपथ ली गई।

शोक सन्देश



प्रो. बिमला बूटी (1933-2024)

सन 1933 में जन्मी भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पी.आर.एल.) की पूर्व डीन और भारत की प्रख्यात प्लाज्मा भौतिकशास्त्री **प्रोफेसर बिमला बूटी** का निधन उनके आवास पर 24 फरवरी, 2024 को अहमदाबाद में हुआ। वे 91 वर्ष की थीं। दिल्ली विश्वविद्यालय से परस्रातक करने के बाद उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय में शोधार्थी के रूप में प्रवेश लिया और नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. एस. चन्द्रशेखर के साथ काम किया। इसके पश्चात वे 1970-1993 के दौरान भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद से जुड़ी रहीं। पी.आर.एल. में, वे उन लोगों में से एक थीं जिन्होंने पी.आर.एल. में प्लाज्मा भौतिकी कार्यक्रम की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाई। वे भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई.एन.एस.ए.) और विकासशील विश्व विज्ञान अकादमी (टी.डब्ल्यू.ए.एस.) की पहली भारतीय महिला भौतिक विज्ञानी फेलो थीं। वे प्लाज्मा साइंस सोसायटी ऑफ इंडिया (पी.एस.एस.आई.) के संस्थापक सदस्यों में से एक थीं।

उन्हें 1977 में ग्रह विज्ञान के लिए विक्रम साराभाई पुरस्कार, 1993 में जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी व्याख्यान पुरस्कार, 1994 में वेणु बप्पू इंटरनेशनल खगोल भौतिकी में पुरस्कार और 1996 में शिकागो विश्वविद्यालय के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। आईपीआर, एफसीआईपीटी, ईटर-भारत और सीपीपी-आईपीआर के स्टाफ सदस्यों की ओर से हम शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

शोक सन्देश



ब्रिजेश कुमार यादव (1980-2024)

श्री ब्रिजेश कुमार यादव (44 वर्ष) का निधन कैंसर के कारण 27-फरवरी-2024 को हुआ। उन्होंने बड़ी बहादुरी से कैंसर के खिलाफ अंतिम सांस तक लड़ाई लड़ी। यादव जी ने जीबी पंत विश्वविद्यालय, उत्तराखंड से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक पूरा करने के बाद इसरो, तिरुवनंतपुरम में लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एल.पी.एस.सी.) में काम करना शुरू किया। बाद में, मई 2008 में, वे आई.पी.आर. के टीबीएम विभाग में इंजीनियर-एससी के रूप में शामिल हुए, जहां वे उस समूह में शामिल होने वाले पहले मैकेनिकल इंजीनियर थे। वे टीबीएम के मैकेनिकल डिजाइन, ईटर में एलएलसीबी टीबीएम के लिए फर्स्ट वॉल हीलियम कूलिंग सिस्टम के परीक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे। आईपीआर में प्रायोगिक हीलियम कूलिंग लूप (ईएचसीएल) के डिजाइन और विकास कार्य का उत्तरदायित्व भी इन पर था। वे ईटर संगठन के लिए हीलियम कूलिंग सिस्टम और संबंधित टीबीएम गतिविधियों के विकास कार्य में भी शामिल थे। उनके सौम्य व्यवहार और सौहार्दपूर्ण स्वभाव के कारण वे जिनसे भी मिलते वह उनका अपना हो जाता, उन सभी के हृदय पर उन्होंने सौहार्द और सद्भावना की अमिट छाप छोड़ी है। प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, औद्योगिक प्लाज्मा प्रौद्योगिकी सुविधा केन्द्र, ईटर-भारत और प्लाज्मा भौतिकी केन्द्र-प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान के स्टाफ सदस्यों की ओर से, हम उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शांति मिले।

शीर्षक	पृष्ठ सं	शीर्षक	पृष्ठ सं
रौद्र" का शिलान्यास	1	सम्मेलन प्रस्तुति	11
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024	2-5	सीपीपी-आईपीआर का राजभाषा निरीक्षण	12
संस्थान में ईटर महानिदेशक	6	पऊवि प्लेटिनम जुबली व्याख्यान	13
शाहपुर (हिमाचल प्रदेश) में प्लाज्मा प्रदर्शनी	7-8, 15	सीपीपी-आईपीआर समाचार	13
संस्थान के शैक्षणिक दौरे	9	शोक संदेश	14
सीपीपी-आईपीआर की जनजागरूकता गतिविधियां	10	सहकर्मी परिचय	15
विज्ञान सप्ताह 2024 भावनगर में प्लाज्मा प्रदर्शनी	11		

सहकर्मी परिचय



श्री रत्नेश कुमार, वर्ष 2013 में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद टीटीपी 2014 के बैच के माध्यम से एक तकनीकी प्रशिक्षु के रूप में आईपीआर में शामिल हुए। प्रारंभ में इन्होंने न्यूट्रॉन स्रोत उन्नयन अनुभाग में कार्य किया। वर्ष 2017 से ये न्यूट्रॉन और आयन विकिरण अनुभाग में काम कर रहे हैं। इनके सामान्य कार्य क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉन साइक्लोट्रॉन रेजोनेंस, ईसीआर आयन स्रोत, आयन ट्रांसपोर्ट प्रणाली और प्रकाशिकी का अनुकरण, त्वरक और संबंधित प्रौद्योगिकियां और न्यूट्रॉन जनरेटर हैं। आईपीआर में 14 MeV न्यूट्रॉन जनरेटर के विकास, संस्थापन और कमीशनिंग में शामिल कार्यों में इनका प्रमुख योगदान रहा है।

शाहपुर (हिमाचल प्रदेश) में प्लाज्मा प्रदर्शनी



शाहपुर (एचपी) में आयोजित प्लाज्मा प्रदर्शनी के दौरान सीयूएचपी, हिमाचल प्रदेश के स्वयंसेवकों के साथ आईपीआर टीम

डॉ. सूर्यकान्त गुप्ता	प्रतिभा गुप्ता	डॉ. अनिल कुमार	अतुल गर्ग	निशा	शिल्पा खंडकर	डॉ. संध्या दवे	मुकेश सोलंकी
-----------------------	----------------	----------------	-----------	------	--------------	----------------	--------------

प्लाज्मा समाचार' में प्रकाशित सामग्री प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान के मासिक समाचार पत्र 'The 4th State' से ली गई है। इस सामग्री को प्रदान करने लिए प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान की न्यूज़लेटर टीम एवं डॉ. ए.वि. रवि कुमार को विशेष आभार, जिन्होंने सामग्री संकलन से लेकर डिज़ाइनिंग में अपना विशेष योगदान दिया है।